Dr. Goel's

वर्ष 1977 से

पशु चिकित्सा में होम्योपैथी के प्रणेता



गोयल वैट फार्मा प्रा.लि.

"पशु चिकित्सा संबंधी समस्याओं के लिए नया दृष्टिकोण"

GOEL VET PHARMA PVT. LTD.
SINCE 1977

CORE VALUES OF THE COMPANY

VISION

A vary new approach to your veterinary clinical problems

MISSION

To provide safe & side-effect-free medication to over beloved animals

उपलब्धियाँ

हमारा विकास :–
हम नैतिकता और जिम्मेदार व्यवसायिक प्रथाओं के साथ सबसे तेजी से बढ़ती हुयी होम्योपैथिक मार्केटिंग कम्पनी को एक नये क्षैतिज की दिशा में आगे बढ़ाने का प्रयास कर रह है।

हमारा मूल्यवान ग्राहक :–
हमारे लिए हमारा प्रत्येक ग्राहक (डॉक्टर, पशुचिकित्सक, किसान, दुग्ध उत्पादक) महत्वपूर्ण है। हमारे सम्माननीय ग्राहकों में प्रगतीशील डेयरी, किसान संघ के विभिन्न सदस्यों तथा अमूल, वीटा, वेरका, सरस, नेस्ले आदि भारत के विभिन्न राज्य के दुग्ध उत्पादक सहकारी सोसाइटी है।

नियामक :–
हमारी फर्म आई.एस.ओ. 9001:2008 से सर्टीफाईड मार्केटिंग कम्पनी है तथा हमारे उत्पाद जी.एम.पी सर्टीफाईड उत्पाद श्रंखला के नियमों का पालन करते है।

परीक्षण एवं परीक्षण उत्पाद :–
हमारे सभी उत्पादों के प्रत्येक बैच को अपनी लैब तथा सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त लैब में जांच के बाद ही मार्केट में उतारा जाता है। यही नहीं हमारे उत्पादों को लगातार पशु चिकित्सक तथा पशुचिकित्सा महाविद्यालयों के वैज्ञानिको द्वारा गुणवत्ता की सफल जांच की जाती रही है।

Dr. Goel's

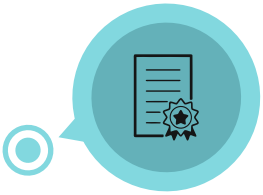
कम्पनी प्रोफाईल

GOEL VET PHARMA PVT. LTD. SINCE 1977



प्रस्तुति

एतिहासिक शहर चित्तौडगढ़ में एक नई दिशा की ओर भारत के प्रथम एवं होम्योपैथी में पशु चिकित्सा के प्रणेता की ओर से प्रस्तुत है विशिष्ट उत्पाद!



व्यापारिक क्षेत्र

हमारी औषधियां भारत के दस से अधिक राज्यों में दस हजार से अधिक पशु चिकित्सको द्वारा दस लाख से अधिक पशुओं पर विभिन्न बीमारियों में विस्तृत रूप से अनुसंधान के बाद उपयोग में लायी जा रही है।



मानवीय निवदेन

भारत में पशु स्वास्थ्य को संवेदना की दृष्टि में से अतः हम पशु स्वास्थ्य के लिए समस्त एवं सुलभ दवाईयों उपलब्ध कराते है क्योकि पशु मालिक अपने कम आय के संसाधनो से पशु का महंगा इलाज करवाने में सक्षम नहीं होता है।



होम्योपैथिक पशु औषधी के लाभ

यह समय तथा पशु स्वास्थ्य की आवश्यकता है कि पशु चिकित्सा हेतु होम्योपैथिक दवाओ का प्रयोग बढ़ाया जाये क्योकि चिकित्सक के लिये रोग निदान होना आवश्यक है न विद्या अथवा चिकित्सा प्रणाली का अतः हमने होम्योपैथिक पशु औषधियों को आपके समक्ष प्रस्तुत करने का निर्णय लिया है।



अस्वीकरण : विवरणिका में दी गई सभी जानकारी शु) प्रकार से सांबोधिक है कुछ भी अविधिक नहीं है। दवा–विवरणिका में दिए गये सभी दवाओं का उल्लेख और विवरण सिर्फ दवाओं के लिए ही मान्य है।



होम्योपैथी :-

डा० सैम्युल हैनिमैनन, एक जर्मन ऐलोपैथिक चिकित्सक थें। आपने जर्मन अैलोपैथ चिकित्सीय प्रणाली वैक्यूम को भरने के लिए **200** साल पहले चिकित्सा विज्ञान की वैकल्पिक प्रणाली होम्योपैथी चिकित्सा प्रणाली की पेशकश की। यह वह समय था जब ऐलोपैथिक चिकित्सा पद्धती अपने सम्भागों जैसे एनाटोमी शरीर संरचना, फिजियोलोजी शरीर विज्ञान, पैथोलोजी परजीवी विज्ञान, फार्मकोलोजी औषधी विज्ञान आदि में विभाजित नहीं था और एक बेहतर चिकित्सा पद्धती के रूप में ''सम समय समयन्ति'' की विचारधारा में युक्त होम्योपैथिक चिकित्सा प्रणाली को प्रस्तुत किया।



होम्योपैथिक चिकित्सा निदान :-

होम्योपैथी पूरक दवाओं की एक प्रणाली है जिससे बीमारियो तथा बीमारी के लक्षणों को बेहद कम तथा प्राकृतिक तत्वों के विल्यन की चिकित्सा विधि द्वारा सक्षम रूप से ठीक किया जाता है। कई अध्ययनों में यह साबित हुआ है कि असाध्य रोग भी होम्योपैथिक विधा से ठीक किये जा सकते है।



पशु चिकित्सा में होम्योपैथी :-

पिछले लगातार काफी समय तथा शोध के बाद होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धिति मं पशु चिकित्सा के आयामों को खोजा गया तथा पशुचिकित्सा में होम्योपैथिक दवांए बेहद कारगर साबित हुयी है।



शुद्ध एवं जैविक प्रणाली द्वारा उत्पादित दुध हेतु :-

होम्योपैथिक पशु औषधियो का उपयोग शुद्ध एवं जैविक प्रणाली द्वारा दुग्ध उत्पादन हेतु उपयोग किया जा सकता है क्योंकि होम्योपैथिक दवाओं में केवल प्राकृतिक अवयव ही प्रयोग होते है। किसी प्रकार का कोई कैमिकल या हार्मोन नहीं होता है।










आधुनिक होम्योपैथी



पूर्ण रूप से तैयार पशु चिकित्सा में प्रयोग होने वाली उपयोगी दवाएँ। किसी भी बीमारी की जानकारी के बाद एक पशु चिकित्सक दवाईओं का उपयोग कर सकता है। क्योंकि क्षेत्र के किसानों ओर पशु चिकित्सक के लिए पशु बचाव अधिक महत्वपूर्ण है। इसलिए हमने होम्योपैथी में पशु चिकित्सक दवाएँ तैयार की।

क्रम सं.	ओषधी का नाम	विवरण	पृष्ठ सं0
1.	टीटासूल मैसटाईटिस किट	थनेला रोग (मैसटाइटिस) के उपचार हेतु।	5
2.	टीटासूल स्प्रे किट	थनेला रोग (मैसटाइटिस) के उपचार हेतु।	6
3.	टीटासूल फाइब्रो गोल्ड किट	थनेला रोग एवं थनो की गांठो को कम करने में सहायक।	7
4.	यूट्रोजन	एक बहुपयोगी गर्भाशर्य व्याधी निवारक	8
5.	हीटोजन	सभी प्रकार के सेफ्टीक में लाभकारी	9
6.	मिल्कोजन	प्राकृतिक रूप से दुग्ध वृद्वि हेतु सर्वाधिक उपयोगी साधन	9
7.	फर्टीसूल	प्राकृतिक रूप से पाली होने हेतु	10
8.	प्रीवेन्टो	ग्रीष्म प्रकोप निवारक	11
9.	सेप्टीगो	सभी प्रकार के सेफ्टीक में लाभकारी	11
10.	हैमीसेप्ट	श्वास सम्बन्धित रोगों में सहायक	12
11.	माण्डगोल	असन्तुलन तथा बेचैनी को दूर करने में सहायक	12
12.	पायरोसूल एक्स.पी.	शारिरिक तापमान नियंत्रक	13
13.	आर. ब्लोटासूल एक्स.पी.	अपच अफारे व यकृक जनित रोगों में तीव्र आभकारी	13
14.	फूमासूल नं0 1	मुहँपका–खुरपका रोग के रोकथाम हेतु	14
15.	फूमासूल नं0 2	मुहँपका–खुरपका रोग के रोकथाम हेतु	14
16.	मिल्कोजन किट	एक विशिष्ट दुग्ध उत्पादन नियामक	15
17.	डायासूल	सभी प्रकार की दस्त	16
18.	यूरिगो	यू.टी.आई इन्फेक्शन में लाभकारी	16
19.	वोरमिगो–एक्स.पी.	सभी प्रकार के कृमी नाशक	17
20.	फर्टीगो	युट्रस की टोनीसिटी बढ़ाने हेतु	17
21.	पैन्टावैट	भूख बढ़ाने हेतु	17
22.	अबोरटिगो	गर्भपात के रोकथाम हेतु	18
23.	प्रोलेप्सगो	पीछा दिखाना के उपचार हेतु	18
24.	गोहिल	एन्टी सेप्टीक स्प्रे	18
25.	थूज्जा क्रीम	मस्स वृद्वि रोकने हेतु	19
26.	मैरीगोल्ड प्लस क्रीम	एक बहुउपयोगी क्रीम	19
27.	थूजा वार्ट गो वेट	मस्सों को हटाने हेतु किट	19
28.	रिहयूमावैट	जोड़ो के दर्द हेतु	20
29.	लेक्टोराईट	मादा पशुओं में पवास बढ़ाने हेतु	20
30.	कॉफवेट	पशुओं में कफ से निवारण हेतु	20
31.	मैरीगोल्ड प्लस एल.एस.डी. किट	लम्पी स्किन डिजीज	21

होम्योपैथिक पशु औषधी

मैसटाईटिस किट
टीटासूल



टीटासूल न0 1 ✚ टीटासूल न0 2

थनेला रोग (मैसटाइटिस) के उपचार हेतु।

उपयोगिता :

टीटासूल थन सूजन रोगों में एन्टी बायोटिक इन्जेक्शन व दवाओं से ज्यादा अच्छा आराम देता है।

टीटासूल तब भी आराम देता है जबकि एन्टी बायोटिक दवाईयाँ कोई काम नहीं करती है।

जब थनों की सूजन पुरानी पड़ने लगे, थनों के तन्तु कठोर हो जाऐं, टीटासूल थनों के कड़ेपन को दूर करता है और ग्रथियों को कार्यशील बनाता है।

टीटासूल दुग्ध ग्रन्थियों को उनके पुनः कार्यशील बनाने में बहुत सहायक है। टीटासूल थनों के कड़ेपन को व थनों में चिराव आदि को ठीक करता है।

टीटासूल दुग्ध ग्रंथियो में दुग्ध स्त्राव को नियमित व कार्यशील बनाता है।

निर्देश

टीटासूल न०. 1 तथा टीटासूल न०. 2 मैस्टाईटीस किट टीटासूल को निम्न प्रकार से प्रयोग में लाया जाता है।

टीटासूल नं0 1

टीटासूल नं0 1 बोलस
थनेलारोग (मैसटाइटिस) में

खुराक :
एक बोलस प्रतिदिन सुबह अथवा डाक्टर की सलाह अनुसार।

प्रस्तुति :
2x2 बोलस



COMPOSITION

Apis Melifica	200
Bryonia Alba	200
Chamomilla	200
Ipecacunha	200
Phytolacca	200
Urtica Urens	200
In Equal Proportion to medicate bolus	

टीटासूल नं0 2

टीटासूल नं0 2 बोलस
थन व थनेला की सूजन में

खुराक :
एक बोलस प्रतिदिन शाम अथवा डाक्टर की सलाह अनुसार।

प्रस्तुति :
2x2 बोलस



COMPOSITION

Belladonna	200
Calcaria Fluorica	200
Conium	200
Heper Sulph	200
Silicea	200
In Equal Proportion To Medicate bolus	

उपयोगी की विधि

टीटासूल न०. 1 तथा टीटासूल न०. 2 सुबह एवं शाम को अथवा डॉक्टर की सलाह अनुसार दे। दवाई को जानवर की जीभ पर सीधे दे या नरम गुड़ के साथ या रोटी में या पानी में मिलाकर दे।

खुराक

यदि थनों का रोग पुराना हो तो इस कोर्स का चार-पांच बार दोहराया जाना चाहिए। यह कोर्स पांच से पन्द्रह दिन तक दिया जाना है अथवा पशु चिकित्सक की सलाह अनुसार।

होम्योपैथिक पशु औषधी

स्प्रे किट
टीटासूल



टीटासूल न0 1 + टीटासूल न0 2

थनेला रोग (मैसटाइटिस) के उपचार हेतु।

उपयोगिता :

टीटासूल थन सूजन रोगों में एन्टी बायोटिक इन्जेक्शन व दवाओं से ज्यादा अच्छा आराम देता है।

टीटासूल तब भी आराम देता है जबकि एन्टी बायोटिक दवाईयाँ कोई काम नहीं करती है।

जब थनों की सूजन पुरानी पड़ने लगे, थनों के तन्तु कठोर हो जाऐं, टीटासूल थनों के कड़ेपन को दूर करता है और ग्रथियों को कार्यशील बनाता है।

टीटासूल दुग्ध ग्रन्थियों को उनके पुनः कार्यशील बनाने में बहुत सहायक है। टीटासूल थनों के कड़ेपन को व थनों में चिराव आदि को ठीक करता है।

टीटासूल दुग्ध ग्रंथियो में दुग्ध स्त्राव को नियमित व कार्यशील बनाता है।

निर्देश

टीटासूल न०. 1 तथा टीटासूल न०. 2 टीटासूल स्प्रे किट को निम्न प्रकार से प्रयोग में लाया जाता है।

टीटासूल नं0 1

टीटासूल नं0 1
थनेलारोग (मैसटाइटिस) में

खुराक :
10 से 20 स्प्रे प्रतिदिन सुबह।

प्रस्तुति :
30 मिली0 स्प्रे बोतल



COMPOSITION

Apis Melifica	200
Bryonia Alba	200
Chamomilla	200
Ipecacunha	200
Phytolacca	200
Urtica Urens	200
In Equal Proportion	
Alcohol Content	

टीटासूल नं0 2

टीटासूल नं0 2
थन व थनेला की सूजन में

खुराक :
10 से 20 स्प्रे प्रतिदिन सांय।

प्रस्तुति :
30 मिली0 स्प्रे बोतल



COMPOSITION

Belladonna	200
Calcaria Fluorica	200
Conium	200
Heper Sulph	200
Silicea	200
In Equal Proportion	
Alcohol Content 25% v/v	

उपयोगी की विधि

पशु की नाक अथवा जीभ पर पर्याप्त स्प्रे करें या पशु चिकित्सक द्वारा दिये गये निर्देशो के अनुसार।

खुराक

5 दिन न्यूनतम संक्रमण और रोग की गंभीरता के अनुसार या पशु चिकित्सक द्वारा निर्धारित रूप से 15 दिनों के लिए।

होम्योपैथिक पशु औषधी

फाइब्रो गोल्ड किट
टीटासूल

टीटासूल न0 1 ✚ टीटासूल न0 2

थनेला रोग एवं थनो की गांठो को कम करने में सहायक



HOMOEOPATHIC VETERINARY MEDICINE

टीटासूल फाइब्रो

टीटासूल फाइब्रो बोलस
थनो की गांठो को कम करने हेतु।



थनेला रोग (मैसटाइटिस) में एवं थनो की गांठो को कम करने में सहायक।

COMPOSITION

Aurum Mur. Neonaturum	30
Hydrastis Candensis	200
Silicia	1 M
Conium	1 M
In Equal Proportions	
Q.S. to Medicate Tablet	

खुराक :
1 बोलस प्रातः एवं 1 बोलस सांय

प्रस्तुति :
2 x 2 बोलस

निर्देश

टीटासूल न०. 1 तथा टीटासूल न०. 2 स्तन की सूजन किट टीटासूल के रूप में प्रकाशीत हैं

टीटासूल नं0 1

टीटासूल नं0 1 टेब
थनेलारोग (मैसटाइटिस) में

खुराक :
5 से 10 टेबलेट प्रतिदिन प्रातः।

प्रस्तुति :
200 टेबलेट।



COMPOSITION

Apis Melifica	200
Bryonia Alba	200
Chamomilla	200
Ipecacunha	200
Phytolacca	200
Urtica Urens	200
In Equal Proportion	
to medicate Tablet	

टीटासूल नं0 2

टीटासूल नं0 2 टेब
थन व थनेला की सूजन में

खुराक :
5 से 10 टेबलेट

प्रस्तुति :
200 टेबलेट



COMPOSITION

Belladonna	200
Calcaria Fluorica	200
Conium	200
Heper Sulph	200
Silicea	200
In Equal Proportion	
To Medicate Tablet	

उपयोग की विधी :

टीटासूल फाइब्रो किट के उपयोग में प्रथम दिन टीटासूल फाइब्रो के एक बोलस सुबह व एक बोलस शाम निर्देशानुसार दिया जाना है। अगले दिन से टीटासूल न०. 1 में से 5-10 गोली सुबह व टीटासूल न०. 2 से 5-10 गोली शाम को लगातार दिया जाना है। अधिकाधिक लाभ के लिये मैरीगोल्ड एलोवेरा क्रीम का थनो पर लेप उपयोग दूध निकालने के बाद अवश्य करे।



होम्योपैथिक पशु औषधी

यूट्रोजन

एक बहुपयोगी गर्भाशय व्याधी निवारक

105 मिलि. बोतल।



गर्भपात निरोध हेतु :

ग्याभिन पशु को गर्भपात होने की शंका पर प्रति बार 5 मिलि. दवा पानी में डालकर अथवा पशु के आहार में मिलाकर दिन में 4 बार 5 दिन तक नियमित रूप से दिया जाना है। इससे पशु में गर्भपात की शंका जाती रहेगी। यदि गर्भपात शंका बहुत अधिक बढ़ चुकी है, तब भी यूट्रोजन देने से यह शंका काफी कम हो जायेंगी। यदि पूर्व में किसी ग्याभिन पशु को गर्भपात होने की घटना हो चुकी हो उस स्थिति में यूट्रोजन को पूर्व गर्भपात के माह पूर्व 5 मिली. दवा सुबह व शाम 10 दिन तक देने से अगले माह में होने वाले सम्भावित गर्भपात की शंका न्यूनतम रह जायेगी।

मैटराइटिस व पायेमैट्रा में :

गर्भाशय रोग मैटराइटिस व पायोमैट्रा में यूट्रोजन के कोर्स को प्रथम दो दिन चार बार, शेष दिनों में दिन में दो या तीन बार देने से गर्भाषय शोथ का पूर्ण निदान हो जाता है।

सुविधाजनक प्रसव हेतु :

पशु के ब्याहने की सम्भवित तिथि से 10-15 दिन पूर्व से यूट्रोजन की सुबह-शाम एक-एक ढ़क्कन (5 मिली.) दवा दी जानी है। ऐसा करने से प्रसव कम कष्ट के साथ व सुरक्षित होता है। इससे पशुपालक का सबसे बड़ा लाभ यह है कि रात्रि काल के अथवा असमय प्रसव में जबकि पशुपालक या सोया रहता है अथवा बेखबर रहता है, ऐसे में भी पशु को कम कष्ट से प्रसव होने के कारण प्रसव काल की अकाल मृत्यु होने की सम्भावना न्यूनतम रह जाती है। यदि पशु को पूर्वक प्रसव में डिस्टोकिया हुआ हो तब भी यूट्रोजन देने से प्रसव सुरक्षा पूर्वक होने की पूरी-पूरी सम्भावना बनी रहती है।

उपयोगिता :

यूट्रोजन सहायक है हार्मोन नियंत्रक के रूप में, गर्भपात निरोधक के रूप में, सुरक्षित प्रसव हेतु प्रसव के उपरांत मैला या छटाव या जैर सफाई में गर्भाशय रोगों की संभावना को न्यूनतम करने हेतु।



COMPOSITION :

Caulophyllum Thalictroides	30	Rhus Toxicodendron	30
Cimicifuga Racemosa (Actaea Racemosa)	30	Sepia	30
		Sabina	30
Cantharis	30	Secale Cornutum	30
Cinchona Officinalis	30	Ustilago	30
Pulsatilla Nigricans	30		

In Equal Proportions Alcohol Content 12% V/V D/M Water q.s.

उपयोग की विधि :

यूट्रोजन की दवा 105 मिलि. तथा शीशी पर लगा ढ़क्कन 5 मिली. का है। इस प्रकार से कुल 21 खुराक है। यह लगभग सम्पूर्ण कोर्स है पूर्ण निरोगी न होने पर इसके दूसरे व तीसरे कोर्स को बिना किसी दुश्परिणाम के दिया जा सकता है।

स्वतः जेर गिराने हेतु :

पशु के प्रसव पश्चात से यूट्रोजन को एक-एक घण्टे के अन्तर से चार-पाँच खुराक देने पर ही पशु की जेर (प्लेसेन्टा) स्वतः ही पूर्ण रूप से गिर जाता है तभी पशु का मैला गिरना भी प्रारम्भ हो जाता है। जेर गिरने के पश्चात यूट्रोजन को दिन में तीन अथवा चार बार देने से पूरा मैला छूट जाता है तथा कोई भी गर्भाशय शोथ नहीं होता है। पशु में यह सब क्रिया सामान्य होने से पशु पूर्ण स्वस्थ रहता है उसकी हार्मोनल टोनोसिटी बनी रहने के कारण पशु अधिकतम दूध देने की क्षमता रखता है।

हार्मोन नियमन हेतु :

यूट्रोजन एक नॉन हार्मोनल फार्मूलेशन है जो गर्भाशय के हार्मोनस को नियमित करता है जिससे गर्भकाल सुरक्षित रहता है, जिससे दूध का सही नियमन होता है जो कि एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। यूट्रोजन हार्मोन्स की जटिल प्रक्रिया को नॉन हार्मोनल उत्प्रेरक की तरह संचालित करता है जिससे कि एक के बाद दूसरा हार्मोन स्वतः ही रिलीज होता रहे।

होम्योपैथिक पशु औषधी

हीटोजन

प्राकृतिक रूप से पाली लाने हेतु



COMPOSITION :

Aletris farinosa	1 M
Folliculinum	1 M
Oophorinum	1 M
Pitutary Gland	1 M

In Equal Proportions
Q.S. to medicate Bolus

उपयोगिता :

ऋतु चक्र के नियमन हेतु

देने की विधि :

हिटोजन का **1** बोलस सुबह और **1** बोलस शाम को दिया जाना है। कृपया 'हिटोजन' कोर्स देने के पश्चात् **3** से **15** दिन तक इन्तजार करें कि पशु को प्राकृतिक रूप से पाली आ जाये। आवश्यकतानुसार कोर्स को **15** दिन बाद सुरक्षित रूप से पुनः दिया जा सकता है।

प्रस्तुति :

2 x 2 बोलस।

मिल्कोजन

प्राकृतिक रूप से दुग्ध वृद्धि हेतु सर्वाधिक उपयोगी साधन



COMPOSITION :

Alfalfa	30	Magnesium	30
Calc Carb	30	Ashoka	12x
Phosphorus	30	Cariaca Pappaya	12x
Lecithin	30	Five Phos	12x

In Equal Proportion Q.S. to Medicate Tablet

उपयोगिता :

- मिल्कोजन प्राकृतिक रूप से दुग्ध वृद्धि करता है।
- मिल्कोजन के साथ अतिरिक्त कैल्शियम देने की आवश्यकता नहीं है। क्योंकि यह भोजन से ही अधिक कैल्शियम को प्राप्त करने में सहायक है।
- मिल्कोजन का कोर्स पूरा होने पर भी दुग्ध कम नहीं पड़ता है यदि दूध का कम पड़ जाना किसी गंभीर बीमारी के कारण हो, तो मिल्कोजन कमी दूर करने में सहायक होकर दुग्ध वृद्धि करता है।
- जब बच्चा मर जाने के कारण गाय, भैस दूध देना बन्द कर दे तो मिल्कोजन पशु के दूध को उतारने में सहायक है यदि पशु को हारमोन नहीं दिये गये हों।
- मिल्कोजन दूग्ध बढ़ाने का सबसे सस्ता व सुविधाजनक साधन है।

देने की विधि :

5 गोली दिन में दो बार अथवा चिकित्सक की सलाहानुसार

प्रस्तुति :

100 गोली

होम्योपैथिक पशु औषधी

फर्टीसूल

प्राकृतिक रूप से पाली होने हेतु
21 दिन का कोर्स



उपयोगिता :

- प्राकृतिक पाली पर लाने हेतु।
- प्रजनन अंगो के समुचित विकास हेतु।
- बार बार पाली आने पर भी गर्भ धारण न करने पर।
- गर्भ धारण की प्रतिशतता बढ़ाने हेतु।

COMPOSITION :

Aletris Farinosa	30	Folliculinum	30
Aurum Metallicum	30	Murex Purpurea	30
Apis Mel	30	Oophorinum	30
Borax	30	Platinum Metallicum	30
Calcarea Phos	30	Pulsatila Nigricans	30
Colocynthis	30	Sepia	200

In Equal Proportions To Medicate Tablet Excipients Q.S. to 500 mg.



उपयोग की विधि :

फर्टीसूल के कोर्स को प्रारम्भ करने के लिए प्रतिदिन पांच गोलियां दी जानी है। इसी क्रम में यह २१ दिन का कोर्स दिया जाना है सुविधा के लिए स्ट्रीप के ऊपर १ से २१ तक नंबर पड़े हुए है इसी अनुसार प्रतिदिन दिया जाना है।

विशेष :

यदि फर्टीसूल का कोर्स भूलवश किसी ग्याभिन पशु को दे दिया जाये तब भी उसे गर्भ गिरने की संभावना नही होती क्योंकि यह नोन हार्मोनल फार्मूलेशन है, जिसके कोई साईड इफेक्ट नहीं है। यदि कोर्स देने के बीच में ही पशु पाली में आ जाये तब भी यह कोर्स देते रहना लाभकारी रहेगा, अतः पशु को पाली आने पर ग्याभिन कराकर भी कोर्स जारी रखें, क्योकि इसको देते रहने से जनन अंगो की क्रिया को गति मिलती है।

निर्देश :

कृप्या फर्टीसूल के कोर्स को पशु की सीधे जीभ पर अथवा गुड़ के पानी में अथवा रोटी में दें।

कोर्स :

फर्टीसूल कोर्स को रोग की तीव्रता के अनुसार या पशु चिकित्सक की सलाह से सुविधा अनुसार दोबारा दिया जा सकता है। साइड इफेक्ट : कोई साईड इफेक्ट नहीं।

खुराक :

5 गोली प्रतिदिन अथवा चिकित्सक की सलाह अनुसार।

प्रस्तुति :

फर्टीसूल कोर्स : 105 टेबलेट

बलिस्टर '1' : 9 X 5 टेबलेट
बलस्टर '2' : 12X 5 टेबलेट

होम्योपैथिक पशु औषधी

प्रीवेन्टो

ग्रीष्म प्रकोप निवारक



COMPOSITION :

Natrum Muriaticum	30
Gloninum	200
Natrum-Carbonicum	200
Aconitum Napellus	30
Arsenicum Album	30
Alcohol Content	12% v/v
D/M Water	q.s.

उपयोगिता :

ग्रीष्म प्रकोप निवारक

देने की विधि :

5 मिली. दिन में तीन बार। अथवा चिकित्सक की सलाह अनुसार।

प्रस्तुति :

100 मिली / **200** मिली

सेप्टीगो

सभी प्रकार के सेप्टीक में लाभकारी



COMPOSITION :

Pyrogenium	200
Pulsatilla	30
Secale Cornutum	30
Helonias	30
Sepia	30
Silicea	30
Alcohol Content	12%v/v
D/M WATER	Q.S.

उपयोगिता :

सभी प्रकार की मवाद में उपयोगी विशेष रूप से प्रसव के बाद मैला या छटाव जहाँ गाढ़ा चिपचिपा पीला या लाल स्त्राव हो।

विधि :

5 मिली. दिन में तीन बार अथवा चिकित्सक की सलाह अनुसार

प्रस्तुति :

200 मिली।

होम्योपैथिक पशु औषधी

हैमीसैप्ट

श्वास सम्बन्धित रोगो में उपयोगी



COMPOSITION :

Ammonium causticum	200	Phosphorus	200
Apis Mel	200	Senega	200
Antimonium Tartaricum	200	Alcohol Content	12% v/v
Aresenicum Album	200	Aqua base	Q.S.
Drosera	200		
Natrum Sulphuricum	200		

उपयोगिता :

हैमीसैप्ट पशुओं में श्वास सम्बन्धि रोगों, एच. एस. (हैमोरेजिक सैप्टीसिमिया), (क्रोनिक रैस्पीरेट्री डिजिस) में सहायक औषधी है।

देने की विधि :

5 मिली. दिन में तीन बार अथवा पशु चिकित्सक की सलाह अनुसार।

प्रस्तुति :

105 मिली।

माण्डगोल

शारिरिक असन्तुलन तथा बेचैनी को दूर करने में सहायक



COMPOSITION :

Belladonna	200
Cuprum Metallicum	200
Hyoscyamus Niger	200
Plumbum Metallicum	200
Stramonium	200
Veratrum Album	200
Cannabis Indica	200
Alcohol Content	12% v/v
Aqua base	Q.S.

उपयोगिता :

- पशुओ में होने वाले मस्तिष्क रोग, अचानक अन्धापन के साथ पशु में मानसिक असंतुलन, बेचैनी, रोद्रता आदि में सहायक औषधी है
- माण्डगोल सहायक औषधी के रूप में सेरा व स्युडो सेरा के लिए कार्य करता है।

देने की विधि :

5 मिली. दिन में तीन बार अथवा पशु चिकित्सक की सलाह अनुसार।

प्रस्तुति :

105 मिली।

होम्योपैथिक पशु औषधी

पायरोसूल-एक्स.पी.



COMPOSITION :

Bryonia Alba	4x 2%v/v	Belladonna	3x 1%v/v
Aconite Napellus	3x 5%v/v	Purified Water	Q.S.
Rhus		Alcohol Content	12% v/v
Toxicodendron	6x 3%v/v		
Baptisia Tinctoria	3x 2%v/v		

उपयोगिता :

- पशु का तापमान बढ़ना अथवा घटना एक सामान्य बिमारी है जो साधारण रूप में अथवा अन्य रोगों का कारण व लक्षण होती है।
- पशु का तापमान एकदम बढ़ जाना अथवा घट जाना दोनो ही स्थिति पशु के लिये हानिकारक होती है और कभी-कभी मृत्यु का कारण भी बन जाती है। अतः तापमान नियंत्रित करने हेतु एक सुरक्षित औषधी का दिया जाना अति आवश्यक है।
- पायरोसूल एक्स.पी. एक ऐसी ही औषधी है। सभी प्रकार के विषाणु जनित या थकान के कारण अनियमित तापमान को नियंत्रित करता है विषाणु तथा थकान के प्रभाव को कम समय में ही दूर करता है।

देने की विधि :

5 मिली. दिन में तीन बार

प्रस्तुति :

100 मिली.

आर. ब्लोटासूल-एक्स.पी.



COMPOSITION :

Chelidonium Majus	MT 5%v/v	Paniculata	MT 5%v/v
Nux Vomica	3x 4%v/v	Purified Water	Q.S.
Sulphur	6x 2%v/v	Alcohol Content	12%v/v
Lycopodium Clavatum	5x 2%v/v		
Andrographis			

उपयोगिता :

- आर. ब्लोटासूल एक्स.पी. पाचन सम्बंधी रोगों के लिए बहुत उपयोगी दवा है। पशु को भूख न लगना व अपचे में आर. ब्लोटासूल जादू सा असर करती है।
- आर. ब्लोटासूल एक्स.पी. अचानक तीव्र अफारे व बार-बार आने वाले अफारे में कुछ ही मिनटों में आराम देती है।
- आर. ब्लोटासूल एक्स.पी. से 70: अफारे के रोगियों में ट्रोकार द्वारा गैस निकालने की आवश्यकता नहीं पड़ती है। अफारा उतरने के 2 घण्टे के अन्दर ही पशु चारा खाने लगता है।
- आर. ब्लोटासूल एक्स.पी. रूमन के पाचन जीवाणु को कोई नुकसान नहीं पहुँचाता है।
- आर. ब्लोटासूल एक्स.पी. को तेल आदि के साथ देने की आवश्यकता नही है। आर. ब्लोटासूल अपच व भूख न लगने में सबसे कम कीमत का उपचार है।
- यकृत के क्रिया कलापों को गति प्रदान करता है।

देने की विधि :

5 मिली. दिन में तीन बार

प्रस्तुति :

100 मिली.

होम्योपैथिक पशु औषधी

फूमासूल नं0.1

मुहँपका–खुरपका रोग के रोकथाम हेतु



COMPOSITION :

Justicia Adhatoda	200	Nitric Acid	200
Kali Iodatum	200	Rhus Toxicodendron	200
Mercurius Solubilis	200	Vaccino Toxinum (Variolinum)	200
Natrum Phosphoricum	200	In Equal Proportion To Medicate Bolus	

उपयोगिता :

- फूमासूल न०. **1** टीके का सबसे सुविधाजनक व विश्वसनीय विकल्प है।
- फूमासूल न०. **1** मात्र **48** से **72** घंटे में प्रतिरोधक शक्ति बना देता है।
- फूमासूल नं० **1** एफ.एम.डी. के सभी स्ट्रेन्स के लिए प्रतिरोधी है, जबकि टीकाकरण व्यर्थ हो जाता है।
- एफ.एम.डी. प्रकोप के समय टीकाकरण किया जाना उचित नही है, किन्तु ऐसी स्थिति में फूमासूल प्रतिरोधी के लिये बहुत कारगर है।
- फूमासूल न०. **1** को टीके की तरह फ्रिज की कोई आवश्यकता नही है।

देने की विधि :

एक बोलस सुबह-शाम चार दिन तक अथवा चिकित्सक की सलाह से।

प्रस्तुति :

फूमासूल न०.**1** - **2 X 4** बोलस

फूमासूल नं0.2

मुहँपका–खुरपका रोग के उपचार हेतु



COMPOSITION :

Arsenicum Album	200	Ferrum Phosphoricum	200
Borax	200	Kali Muriaticum	200
Bryonia Alba	200	Mercurius Solubilis	200
Ecbinacea	200	In Equal Proportion To Medicate Bolus	

उपयोगिता :

- फूमासूल नं० 2 से मुँह के छाले 24 घण्टे के अन्दर ठीक होने लगते है और जानवर चारा खाने लगता है।
- फूमासूल नं० 2 के उपचार से लार की मात्रा काफी घट जाती है और मुँह की बदबू वगैरह कम होने लगती है।
- एफ.एम.डी के कारण होने वाले दस्त, बुखार आदि रोग को भी फूमासूल नं० 2 उपचारित करता है।
- फूमासूल नं० 2 के उपचार से पैरों के घाव भी सूखने लगते है। एफ.एम.डी. के कारण खुरों के बीच मस्स वृद्धि को फूमासूल न० 2 रोकता है।
- फूमासूल नं० 2 एफ.एम.डी के सभी स्ट्रेन्स से होने वाले रोगो पर प्रभावी है।



देने की विधि :

एक बोलस सुबह-शाम चार दिन तक अथवा चिकित्सक की सलाह से।

प्रस्तुति :

फूमासूल न०.**2** - **2 X 4** बोलस

होम्योपैथिक पशु औषधी

मिल्कोजन किट

एक विशिष्ठि दुग्धोत्पादन नियामक
प्राकृतिक रूप से दुग्ध वृद्धि हेतु सर्वाधिक उपयोगी साधन



उपयोग की विधि :

मिल्कोजन किट मादा पशु में दूध पवास हेतु एवं दुग्ध वृद्धि हेतु दिया जाना चाहिए। सर्वप्रथम लैक्टूगो–एम 5 मिली0 प्रातः एव सांय तीन दिन तक दूध निकालने से पहले देना आवश्यक है।
चौथे दिन से मिल्कोजन टेबलेट में से 5 टेबलेट प्रतिदिन प्रातः एवं सांय दूध निकालने से पहले देना आवश्यक है।
कृप्या पशु को दवा बोतल अथवा नाल से न दे। गुड़ के पानी में डालकर पशु को स्वयं पीने दें।

लैक्टूगो – एम

मादा पशुओं में दूध का पवास बढ़ाने हेतु

उपयोगिता :

- *लैक्टूगो एम ऑक्सीटोसिन जैसे हार्मोनस को उत्प्रेरित कर दुग्धोत्पादन बढ़ाता है।*
- *लैक्टूगो एम दुग्ध ग्रन्थियों में रक्त का प्रवाह बढ़ाकर दुग्ध वृद्धि में सहायक है।*
- *लैक्टूगा एम दूध में वसा की मात्रा को नियमित करता है।*
- *लैक्टूगो एम दुध निकालने के समय हुयी किसी प्रकार की क्षति से होने वाले दर्द को कम करता है।*
- *लैक्टूगो एम दुग्धोत्पादन के बाद शरीर की ऊर्जा को नियमित करता है।*

खुराक :

5 मिली0 प्रातः एवं सांय तीन दिन तक दूध निकालने से पहले

प्रस्तुति :

30 मिली0



COMPOSITION

Phytolacca	30	10% v/v
Asafoetida	30	15% v/v
Sticta Pulmonaria	200	15% v/v
Lactuea Virosa	200	15% v/v
Agnus Castus	30	10% v/v
Alcohol Content		12% v/v
D/m Water		Q.S.

मिल्कोजन

प्राकृतिक रूप से दुग्ध वृद्धि हेतु सर्वाधिक उपयोगी साधन

उपयोगिता :

- *मिल्कोजन प्राकृतिक रूप से दुग्ध वृद्धि करता है।*
- *मिल्कोजन के साथ अतिरिक्त कैल्शियम देने की आवश्यकता नहीं है। क्योंकि यह भोजन से ही अधिक कैल्शियम को प्राप्त करने में सहायक है।*
- *मिल्कोजन का कोर्स पूरा होने पर भी दुग्ध कम नहीं पड़ता है यदि दूध का कम पड़ जाना किसी गंभीर बीमारी के कारण हो, तो मिल्कोजन कमी दूर करने में सहायक होकर दुग्ध वृद्धि करता है।*
- *जब बच्चा मर जाने के कारण गाय, भैस दूध देना बन्द कर दे तो मिल्कोजन पशु के दूध को उतारने में सहायक है यदि पशु को हारमोन नहीं दिये गये हों।*
- *मिल्कोजन दूध बढ़ाने का सबसे सस्ता व सुविधाजनक साधन है।*



COMPOSITION

Alfalfa	30
Calc Carb	30
Phosphorus	30
Lecithin	30
Magnesium	30
Carbo Animalis	30
Ashoka	12x
Cariaca Pappaya	12x
Five Phos	12x
In Equal Proportion	
Q.S. to Medicate Tablet	

खुराक :

5 टेबलेट प्रतिदिन प्रातः एवं सांय दूध निकालने से पहले

प्रस्तुति :

100 टेबलेट।

होम्योपैथिक पशु औषधी

डायासूल

सभी प्रकार के दस्तों में बहुपयोगी।



COMPOSITION :

Arsenicum Album	200
Cinchona Officinalis	200
Chamomilla	200
Merc Solubilis	200
Sulphur	200

In Equal Proportion Alcohol Content 12% v/v D/m Water Q.S.

उपयोगिता :

अतिसार एक सामान्य रोग है जो सौ से भी अधिक कारणों से पूरे वर्ष चलता रहता हैं प्रायः इस रोग को सामान्य रूप से लिया जाता है। इस रोग के बढ़ने का प्रमुख कारण है। सामान्य दस्त, बदबूदार दस्त, रूक रूककर होने वाले दस्त, बैक्टिरिया जनित व पेट के कीड़ो के कारण हेने वाले दस्तों में लाभकारी है।

देने की विधि :

५ मिली. दिन में तीन बार अथवा पशु चिकित्सक की सलाह अनुसार।

प्रस्तुति :

100 मिली.

यूरीगो

यू.टी.आई. एन्फेक्शन में लाभकारी



COMPOSITION :

Cantharis	2X 2%v/v	Aconite Napellus	3X 1%v/v
Camphora	2X 1%v/v	Purified Water	Q.S.
Berberis Vulgaris	4X 3%v/v	Alcohol content	12%v/v
Equisetum Hyemale	3X 3%v/v		
Eupatorium Perfoliatum	3X 3%v/v		

उपयोगिता :

- मूत्र उत्सर्जन मार्ग की व्याधि दुर करने हेतु
- मूत्र उत्सर्जन मार्ग की व्याधि का उपचार करता है।
- मूत्र उत्सर्जन के समय होने वाले दर्द को कम करता है।

देने की विधि :

5 मिली 3 बार प्रतिदिन

प्रस्तुति :

100 मिली।

होम्योपैथिक पशु औषधी

वोरमिगो–एक्स.पी.

सभी प्रकार के कृमी नाशक



COMPOSITION :

MERCURIUS DULCIS	3X
TANACETUM VULGARE	5X
CINA	4X
ARTEMISIA VULGARIS	4X
FILIX MASS	5X
TEUCRIUM MARUM VIRUM	MT

उपयोगिता :

टेपवम, रिंग वर्म, ल्युक्वर्म एवं अन्य सभी प्रकार के कृमी नाश हेतु

प्रस्तुति :

60 मिली.

देने की विधि :

15 मिली. सुबह व 15 मिली. शाम

फर्टीगो

यूट्रस की टोनीसिटी बढ़ाने हेतु



COMPOSITION :

Agnus Castus	200	10% v/v	Murex Purprea	200	5% v/v
Sepia	200	10% v/v	Aurum Metallicum	200	10% v/v
Palladium	200	5% v/v	Alcohol Content		12% v/v
Borax	200	10% v/v	D/W		Q.S.
Apis Mel	200	10% v/v			

उपयोगिता :

मादा पशुओं में गर्मी के समय
अनियंत्रित हार्मोन को सही करने हेतु
गर्भ को स्थापित करने हेतु
यूट्रस की टोनीसिटी बढ़ाने हेतु

देने की विधि :

१५ मिली. ए.आई. से १५ मिनट पहले तथा बाद में

प्रस्तुति :

30 मिली.

पेन्टा वेट

भूख बढ़ाने हेतु



COMPOSITION :

Calcarea Phosphorica	6	2ml.	Kali Phosphoricum	6	2ml.
Magnesium Phos.	6	2ml.	In Equal Proportion to		
Natrum Phosphoricum	6	2ml.	medicate tablet of 500 mg		
Ferrum Phosphoricum	6	2ml.			

उपयोगिता :

पशुओं में भूख बढ़ाने हेतु

प्रस्तुति :

100, 200 टेबलेट

देने की विधि :

५ टेबलेट दिन में तीन बार अथवा डाक्टर निर्देशानुसार

होम्योपैथिक पशु औषधी

अबोरटिगो

गर्भपात के रोकथाम हेतु

COMPOSITION :

Each 5 ml contains :	30 CH	30% v/v
Aletris Farinosa	30 CH	30% v/v
Viburnum Opulus	30 CH	20% v/v
Sabina	200 CH	20% v/v
Sepia		12% v/v
Alcohol Content		Q.S.
Vehicle : Aqua base		

देने की विधि :

20 मिलीसुबह, शाम अन्यथा चिकित्सक की सलाह के अनुसार

उपयोगिता :

गर्भपात के रोकथाम हेतु

प्रस्तुति :

200 मिली.



प्रोलेप्सगो

पीछा दिखना के उपचार हेतु

COMPOSITION :

Each 5 ml contains :	200 CH	20% v/v
Lillium Tigrinum	200 CH	20% v/v
Podophyllum Paltatum	1M	20% v/v
Belladonna	30CH	20% v/v
Aloe Socotrina	30CH	20% v/v
Murex Purpurea		12% v/v
Alcohol Content		Q.S.
Vehicle : Aqua base		

देने की विधि :

20 स्प्रे सुबह, शाम अन्यथा चिकित्सक की सलाह के अनुसार

उपयोगिता :

प्रसव पूर्व अथवा बाद में फूल दिखना या पीछा दिखना के उपचार हेतु

प्रस्तुति :

100 मिली.



गोहिल

एन्टी सेप्टीक स्प्रे

COMPOSITION (थूजा क्रिम)

Calendula Officinalis	Q	2%	Ledum Palustre	Q 2%
Echinacea Angustifolia	Q	2%	Excipients	2% Q.S.
Hypericum Perforatum	Q	2%	vehicle : Purified Water	

उपयोगिता :

किसी चोट, एफ.एम.डी. एवं जलने के घाव के उपचार हेतु

प्रस्तुति :

60 मिली।

देने की विधि :

गोहिल स्प्रे को घाव के उपर दिन में तीन बार स्प्रे करें



होम्योपैथिक पशु औषधी

थूजा क्रीम

मस्सो बृद्धि रोकने हेतु



COMPOSITION :

Thuja occidentalis	Q 10% w/w
Cream base	q.s.

उपयोगिता :

मस्स वृद्धि रोकने हेतु

देने की विधि :

मस्सों की जगह पर सुबह, शाम क्रीम से मालिश करें।

प्रस्तुति :

50 ग्रा.

मेरीगोल्ड प्लस क्रीम

एक बहुउपयोगी क्रीम



COMPOSITION :

Calendula Officinalis	Q 3.0%w/w
Echinacea Angustifolia	Q 3.0%w/w
Millefolium	Q 6.0%w/w
Cream base	Q.S.

उपयोगिता :

चोट, छीलने, घाव, जलने मे बहुउपयोगी

देने की विधि :

चोट, छीलने की जगह को साफ करके सुबह अथवा शाम में क्रीम लगाए।

प्रस्तुति :

50 ग्राम

थूजा वार्ट गो वेट किट

मस्सों को हटाने हेतु किट
थूजा क्रीम + वार्ट गो पिल्स



COMPOSITION (थूजा क्रिम)

Thuja occidentalis	Q 10% w/w
Cream base	q.s.
For External Use	

उपयोगिता :

मस्सो को हटाने हेतु

प्रस्तुति :

50 ग्राम

COMPOSITION (वार्ट गो पिल्स)

Causticum	200
Thuja Occidentalis	200
Total Medication	1%
In equal proportion to medicate globules	

प्रस्तुति :

50 ग्राम + 50 ग्राम

होम्योपैथिक पशु औषधी

रिहयूमावैट

जोड़ो के दर्द हेतु

COMPOSITION :

Rhus Toxicodendron	3X	6% v/v
Bryonia Alba	3X	6% v/v
Caulophyllum	3X	6% v/v
Ruta Graveolens	3X	6% v/v
Kali Sulphuricum	3X	6% v/v
Cimicifuga	12X	6% v/v
Arnica Montana	3X	6% v/v
Guaiacum	3X	8% v/v
Aqua	2X	q.s.
Alcohol Content		50% v/v.

उपयोगिता :

पशु के उठने व बैठने में समस्या अथवा जोड़ो के दर्द में लाभकारी

प्रस्तुति :

30 मिली.

देने की विधि :

20 बूंद दिन में 3 बार



लेक्टोराईट

मादा पशुओं में पवास बढ़ाने हेतु

COMPOSITION :

Lecithin	6x	10% w/v
Sepia	3x	10% v/v
Calcarea Carbonica	6x	10% w/v
Silicea	6x	10% w/v
Alcohol (91% v/v)		50% v/v

उपयोगिता :

मादा पशुओं में पवास बढ़ाने हेतु

देने की विधि :

20 बूंद दिन में 3 बार

प्रस्तुति :

30 मिली.



कॉफवेट

पशुओं में कफ से निवारण हेतु

COMPOSITION :

Bryonia Alba	Q	10% v/v
Natrum Sulphuricum	6x	5% w/v
Antimonium Tartrate	6x	5% w/v
Ferrum Phosphoricum	6x	5% w/v
Kali Sulphuricum	6x	5% w/v
Aresenicum Album	6x	10% v/v
Kali Muriaticum	6x	5% w/v
Alcohol (90% V/v)		55% v/v

उपयोगिता :

पशुओं में कफ से निवारण हेतु

देने की विधि :

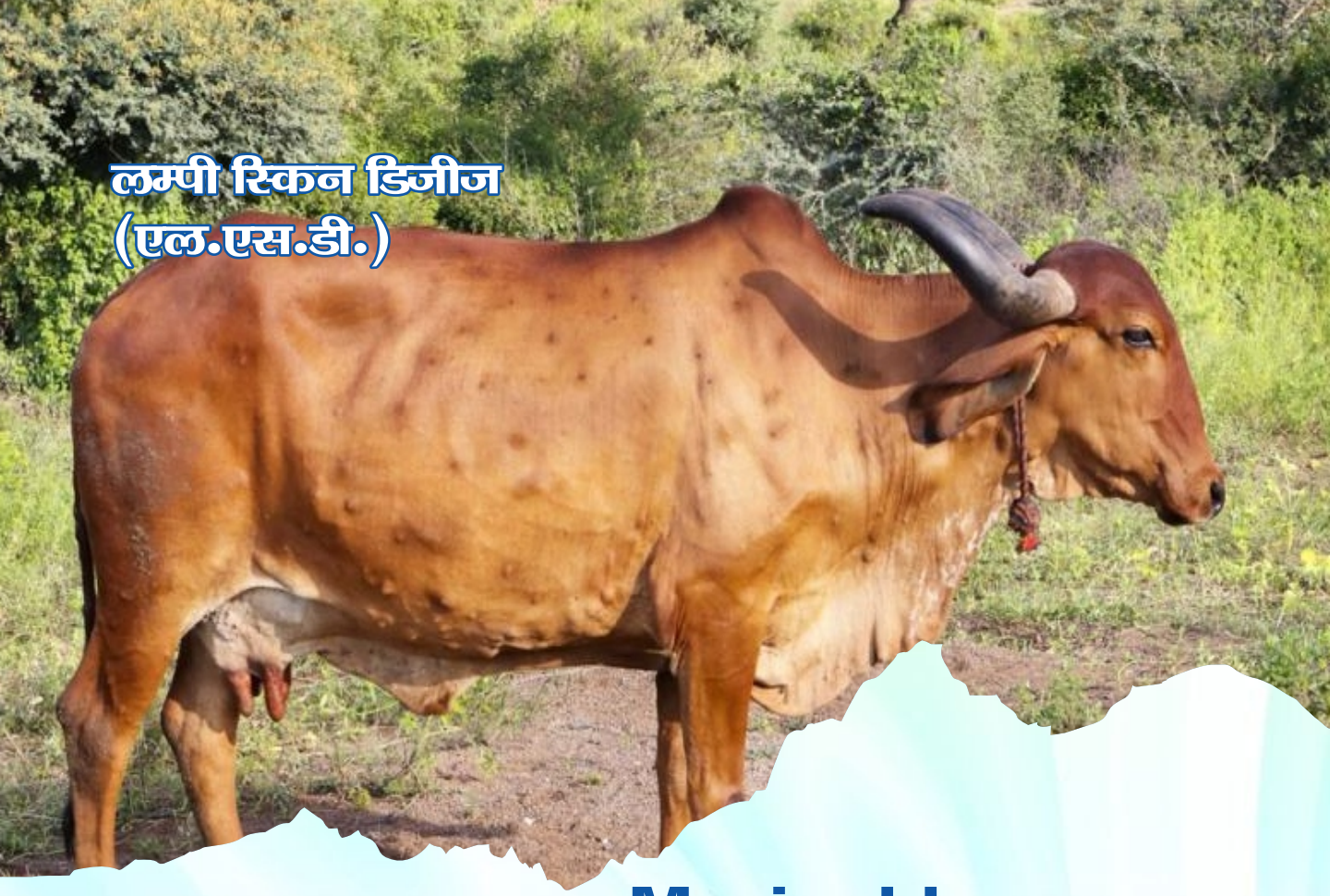
20 बूंद दिन में 3 बार

प्रस्तुति :

30 मिली.



लम्पी स्किन डिजीज (एल.एस.डी.)



1. यह एक वायरल बिमारी है जिसमे पशु के सारे शरीर पर गाँठे बन जाती है और इनमे मवाद पडने लगता है।
2. एल.एस.डी. एक संक्रामक रोग है जो कि विषाणु जनित हैं।
3. एल.एस.डी. के कारण पशु के शरीर पर बनी गाँठों का यदि इलाज न किया जाए तो उसमे कीड़े भी लग जाते है।
4. रोग की शुरूआत मे तेज बुखार, लिम्फ ग्रन्थीयों में सूजन व घाव छोटे से बड़े तक हो सकते है
5. इस बिमारी के कारण पशु के दूध मे कमी, पशु की प्रजनन क्षमता मे कमी, गर्भपात, वजन मे कमी अथवा मत्यु भी हो सकती है।

उपचार हेतु होम्योपैथिक पशु औषधी

मैरीगोल्ड प्लस एल.एस.डी.–25 किट

होम्योनेस्ट वी ड्राप्स नं.–25

पिलाने की दवा
डोज : 20 से 25 बूँद दिन मे चार बार
मात्रा : 30 मिली.

मैरीगोल्ड प्लस लिक्विड एन्टीसैप्टीक स्प्रे

घाव पर किये जाने वाला स्प्रे
डोस : दिन मे 2 से 3 बार घाव पर स्प्रे करें
मात्रा : 60 मिली.

Marigold+ LSD-25 Kit

Homeonest V Drops No. 25 + Marigold+ Plus Antiseptic Spray



दवा देने के आसान तरीके

देने की विधि

विधि नं0 1


गुड़

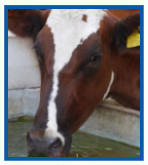
+


5 मिली. दवा

+


1 ग्लास पानी

=


पशु को पानी में मिलाकर पिलाये

गुड़ और दवा को पानी के साथ मिलाकर पशु को पिलाये।

विधि नं0 2


रोटी

+


5 मिली. दवा

—


दवा को रोटी में रखकर

=


पशु को खिलाये

रोटी को दवा में मिलाकर पशु को दें।

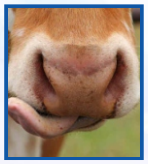
विधि नं0 3


इन्जेक्शन

+


5 मिली. दवा

=


जीभा पर स्प्रे करें

इन्जेक्शन में 5 मिली. दवा भरकर पशु की जीभा पर स्प्रे करें ।

जल्दी आराम दिलाने के लिए या फिर जल्दी दवा असर कराने के लिए दवा को जीभ पर सही प्रकार से स्प्रे करें। दवा की मात्रा ज्यादा न करें, एक या एक से अधिक समय के अन्तराल में दवा का प्रयोग कराये।

सूचना : कृपया दवाई को दिए गए निदेशों के अनुसार खिलाये और पिलाये। दवा को बोतल अथवा नाल से न दे।



गोयल वैट फार्मा प्रा.लि.

''पशु चिकित्सा संबंधी समस्याओं के लिए नया दृष्टिकोण''

रजि० ऑफिस : 42/सी, प्रताप नगर, चित्तौड़गढ़, राजस्थान, भारत

मार्केटिंग ऑफिस : बी–165, 166, मेजर ध्यान चन्द नगर, दिल्ली रोड, मेरठ (उ.प्र.)

ई–मेल : **info@goelvetpharma.com**